



ToxicTheMovie

#yash #comments

*मुझे सह सकते हो तो मेरे साथ रह सकते हो...! क्या Toxic की जगह इसका नाम टॉचर होना चाहिए...?

इसका तो ट्रेलर ही बर्दाश्त से बाहर की चीज था फिल्म देखने वाले वीरों को मेरा नमन

बंदल मूवी कह सकते है ,पकाऊ, प्रणय दृश्य भी आशा के अनुरूप संतुष्टिप्रद नहीं है !! सिंपल !!

कहानी तो मईर , जिस्म और ख्वाइश की भी कौन सी नोबेल पुरस्कार जीती हुई थी !!

अंगूर खट्टे निकले है बस और कुछ नहीं klpc हुई है aspirants के !!

नशे को ग्लोरीफाई करना अपराध घोषित होना चाहिए.. कहानी और पूछ भूमि की मांग एक अलग बात है.. बेवजह सिगरेट और शराब को इस तरह दिखाना गलत है..

भाई जस्ट अभी फिल्म बीच में छोड़कर आ रहा हूं

Toxic की जगह इसका नाम टॉचर होना चाहिए

भाई मूवी की स्टोरी देखने गया था पता चला के मूवी तो विदाउट स्टोरी है!

ढेरो रिव्यू पड़े..बहुत से कमेंट्स भी देखे।but overall मुझे तो पसंद आई रे बाबा !

(सोशल मीडिया से साभार)

उज्बेकिस्तान-
किर्गिस्तान यात्रा पर
रवाना हुए पीएम मोदी

SCO समित में भी होंगे शामिल



डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट



सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 38

इंदौर, शनिवार 29 अगस्त, 2026

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

यह केस हमें याद दिलाता है:

Every allegation
needs **evidence**.

Every evidence
needs **examination**

WHEN
EVIDENCE SPEAKS,
THE TRUTH GETS HEARD.

PROFESSIONAL INVESTIGATION • FACT FINDING • EVIDENCE THAT MATTERS



Electronic Evidence
Collection



Surveillance &
Fact Finding



Document &
Transcript Analysis



Court Admissible
Support

जब इलेक्ट्रॉनिक
सबूतों को

नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता...



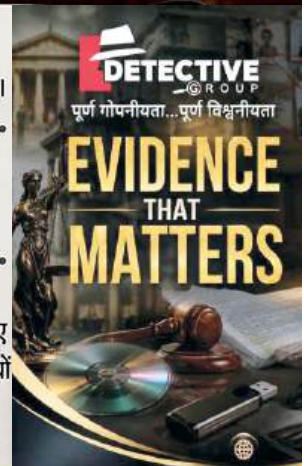
एक वैवाहिक विवाद में पति ने न्यायालय के समक्ष
पत्नी के कथित अन्य पुरुषों से अवैध संबंध होने के आरोप लगाए।



अपने आरोपों के समर्थन में पति ने
CD, Transcript और अन्य **Electronic Evidence**
प्रस्तुत किए।



मामला मध्यप्रदेश हाईकोर्ट पहुँचा, जहाँ कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के
आदेश को निरस्त करते हुए यह महत्वपूर्ण बात कही कि प्रस्तुत किए
गए **साक्ष्यों की विधिवत जांच आवश्यक है** और कथित अवैध संबंधों
से जुड़े प्रस्तुत साक्ष्यों को केवल इस आधार पर नज़रअंदाज़ नहीं
किया जा सकता।



Investigation का उद्देश्य केवल
आरोप लगाना नहीं—बल्कि उपलब्ध
तथ्यों और साक्ष्यों को सामने लाना है।

“ proper investigation
can help uncover
evidence that may
become relevant in
legal proceedings ”



Confidential Investigation &
All Type of Detective Services



पूर्ण गोपनीयता



पूर्ण विश्वसनीयता



www.detectivegroup.in



www.detectivesgroup.com

खजराना गणेश को अर्पित की सनातनी राखी

इंदौर। रक्षाबंधन पर मातृश्री पालरेंचा परिवार की ओर से हाथ से तैयार की गई 40x40 इंच की भव्य सनातनी राखी शुक्रवार सुबह सबसे पहले विश्व प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश को अर्पित की गई। विशेष पूजा-अर्चना के बाद राखी भगवान को समर्पित की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

खजराना गणेश मंदिर में पुजारी अशोक भट्ट, पुनीत भट्ट और सतपाल महाराज के निर्देशन में पूजा हुई। इस दौरान शांतु पुंडरीक पालरेंचा, नानेश पालरेंचा और शैलेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। खजराना गणेश को राखी अर्पित करने के बाद इसे बाबा महाकाल, अल्लिजा सरकार, बड़ा गणपति, छोटा गणेश और चिंतामणि गणपति को भी अर्पित किया गया।



इस बार राखी की थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' और राष्ट्रभाव पर आधारित है। कमल के भव्य आकार में तैयार राखी में राष्ट्रीय चेतना, सनातन संस्कृति और भारतीय गौरव से जुड़े प्रतीकों को उकेरा गया है। राखी में बाबा महाकाल, भगवान जगन्नाथ, मां महाकाली और मां महालक्ष्मी के

स्वरूपों को स्थान दिया गया है। इसमें आगामी सिंहस्थ, महाकाल लोक, सांस्कृतिक एकता, समृद्धि और सनातन शक्ति का संदेश भी दिया गया है।

राखी में मां वाग्देवी के स्वरूप को भी उकेरा गया है। इसके जरिए लंदन संग्रहालय में राखी ऐतिहासिक प्रतिमा को धार की

भोजशाला में पुनर्स्थापित करने के संकल्प को भी दर्शाया गया है। राखी को मंदिरों में अर्पित करने से पहले मल्हारगंज स्थित पालरेंचा परिवार के यहां इसे दर्शन के लिए रखा गया। सुबह से ही शहरवासी बड़ी संख्या में राखी के दर्शन करने पहुंचे।

पंडित मनीष शर्मा के अनुसार इस बार उदयातिथि के आधार पर 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त सुबह करीब 9:08 बजे शुरू होकर 28 अगस्त सुबह करीब 9:48 बजे तक रहेगी। 28 अगस्त को भद्रा नहीं होने से राखी बांधने के लिए दिन शुभ माना गया है। पंचांग के अनुसार सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक राखी बांधने का शुभ समय बताया गया है। स्थानीय सूर्योदय के अनुसार समय में मामूली अंतर हो सकता है।

महापौर ने सफाईमित्र बहनों से बंधवाई राखी

© डिटैक्विट ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने सुदामा नगर स्थित निवास पर शहर की सफाई व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सफाई मित्र बहनों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। महापौर भार्गव ने सफाई मित्र बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनसे राखी बंधवाई



और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र बहनें रोजाना अपने परिश्रम और समर्पण से इंदौर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनका सम्मान करना और उनके साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाना उनके लिए गर्व का विषय है। जिम्मेदारी के रिस्ते को मजबूत करने का अवसर भी है। सफाई मित्र बहनें जिस समर्पण के साथ शहर की सेवा कर रही हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायी है। इंदौर की स्वच्छता की पहचान के पीछे सफाई मित्रों की मेहनत सबसे बड़ी ताकत है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। इस दौरान सफाई मित्र बहनों ने भी महापौर को राखी बांधकर उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की। महापौर ने सभी बहनों के साथ रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं और उनके प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

तीन बहनों की मौत के मामले में जांच शुरू

© डिटैक्विट ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के समीप बेटमा क्षेत्र में तीन बहनों की मौत के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। तीनों बच्चियों की खाना खाने के बाद हालत बिगड़ी थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो बच्चियों की मौत अस्पताल में हो गई थी। पिता इटारसी के मूल निवासी हैं। वे दोनों बच्चियों के शव और तीसरी बीमार बेटी को लेकर इटारसी के लिए निकले, लेकिन रास्ते में उसकी भी हालत खराब हो गई। इटारसी में इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

फूड पॉइजनिंग की आशंका के चलते बच्चियों ने जिस होटल में खाना खाया था, वहां से सैंपल लिए गए हैं। वहीं, पीथमपुर में इलाज के लिए माता-पिता जिस क्लिनिक में बच्चियों को लेकर गए थे, वहां से दो गई दवाएं भी जब्त

की गई हैं। अभी विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है। परिवार पीथमपुर के जिस मकान में रहता है, वहां भी एफएसएल टीम पहुंची और जांच की। उस मकान को भी सील कर दिया गया है। अफसरों ने आसपास के लोगों से भी परिवार के बारे में पूछताछ की है। पुलिस को परिजनों ने बताया कि 23 अगस्त को वे परिवार सहित बाहर खाना खाने गए थे। अगले दिन नरेंद्र सांढे, उनकी पत्नी अमरीतीन और बेटियों आशीन, बिसुका और विंधि की तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद 25 अगस्त को वे तीनों बच्चियों का इलाज कराने स्थानीय डॉक्टर के पास पहुंचे, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं होने पर उन्हें इंदौर के अस्पताल ले गए। वहां उपचार के दौरान दो बेटियों की मौत हो गई। परिजन दोनों के शवों को पोस्टमार्टम कराए बिना ही लेकर चले गए।

कलेक्टर-विधायक ने निराश्रित बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन, उज्ज्वल भविष्य की कामना की

© डिटैक्विट ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राजकीय बाल संरक्षण आश्रम में शुक्रवार को अलग ही माहौल और नजारा देखने को मिला। यहां कलेक्टर शिवम वर्मा और विधायक गोल्ड शुक्ला पहुंचे और उन्होंने निराश्रित बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

इस दौरान यहां मौजूद बच्चों ने विधायक और कलेक्टर के हाथों पर राखियां बांधी। पूरा माहौल खुशीमय नजर आया। कार्यक्रम आयोजक विनोद खंडेलवाल ने बताया कि भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन राजकीय बाल संरक्षण आश्रम में मनाया गया। इसमें कलेक्टर वर्मा और विधायक शुक्ला शामिल हुए। यहां निराश्रित बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व



मनाकर उन्हें अपनत्व और स्नेह का अनुभव कराया। इस दौरान कलेक्टर और विधायक ने बच्चों को उपहार स्वरूप शिक्षण सामग्री दी। साथ ही आश्रम की आवश्यकताओं को ध्यान रखते हुए पानी की टंकी भी उपलब्ध करवाई। वहीं यहां पर मॉड्यूलर किचन बनाने की भी घोषणा की। विधायक गोल्ड शुक्ला ने कहा कि बहनों का स्नेह हमेशा प्रेरणा और शक्ति का स्रोत रहा है। रक्षाबंधन

केवल भाई-बहन के रिस्ते का पर्व नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, अपनत्व, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। निराश्रित बच्चों के साथ पर्व मनाया उनके जीवन में खुशियां और अपनत्व का भाव लाने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है। वहीं कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि बच्चों प्रशासन का उद्देश्य आश्रम में रह रहे बच्चों को बेहतर सुविधाएं, सुरक्षित वातावरण और शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप आश्रम में सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर, विधायक ने इन बच्चों के बीच काफी समय बिताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

34 भिक्षुओं को पकड़ा, भीख मांगने वालों के साथ देने वालों पर भी गिरेगी गाज

© डिटैक्विट ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। त्योहारों का सीजन शुरू होते ही इंदौर शहर के प्रमुख मंदिरों और व्यस्त चौराहों पर भिक्षुओं की आवाजें बह गई हैं। रक्षाबंधन, सावन के धार्मिक आयोजनों और आगामी चातुर्मास को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की 'भिक्षु उन्मूलन' टीम एक्शन मोड में है। अगस्त माह के दौरान भिक्षानृत्ति में लिप्त 34 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर उज्जैन भेजा जा चुका है। अभियान के नोडल अधिकारी दिनेश मिश्रा के अनुसार, रेस्क्यू किए गए लोगों को प्रक्रिया के तहत गाड़ी अड्डा स्थित डेन बसेरा (शेल्टर होम) में रखा जाता है और फिर शहर या शहर के बाहर की संस्थाओं में उनमें सुधार के लिए

भेजा जाता है।

अगस्त में अलग-अलग दिनों में हुए रेस्क्यू की जानकारी- 10 अगस्त: 1, 17 अगस्त: 5, 20 अगस्त: 7, 22 अगस्त: 10, 24 अगस्त: 7, 25 अगस्त: 4

इन इलाकों पर पैनी नजर

विभाग की टीमें रोज सुबह से रात तक प्रमुख धार्मिक स्थलों और चौराहों की सख्त निगरानी कर रही हैं। प्रमुख मंदिरों में खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, बड़ा गणपति, कांच मंदिर आदि शामिल हैं। वहीं प्रमुख चौराहे व बाजारों में राजबाड़ा, पलासिया, विजय नगर, भवरगुआ, गीता भवन, एमआर-9 आदि शामिल हैं।

क्रेडिट कार्ड ऑफर का झांसा देकर 98 हजार ठगे

© डिटैक्विट ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। क्रेडिट कार्ड पर ऑफर का झांसा देकर एक महिला से 98 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताकर क्रेडिट कार्ड की एनुअल फीस माफ करने और 5500 रुपए के शॉपिंग बोनस का झांसा दिया।

महिला को भरोसे में लेकर आरोपी ने मोबाइल पर बैंकिंग एप खुलवाया और क्रेडिट कार्ड की जानकारी के साथ ओटीपी हासिल कर लिए। इसके बाद उसके कार्ड से दो बार 49-49 हजार रुपए के ट्रांजेक्शन कर दिए। तीसरी बार 36 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन कराने की कोशिश की गई, लेकिन वह डिक्लाइन हो गया। मामले में कनाडिया पुलिस ने गुरुवार को महिला की शिकायत पर अज्ञात कॉलर के खिलाफ केस दर्ज किया है। कनाडिया पुलिस

के मुताबिक, दविंदर सिंह अरोरा की शिकायत पर अज्ञात मोबाइल नंबर के कॉलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। महिला को 20 अगस्त की रात एक नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताया और क्रेडिट कार्ड पर दो ऑफर मिलने की बात कही। आरोपी ने बताया कि ऑफर के तहत क्रेडिट कार्ड की एनुअल फीस माफ कर दी जाएगी। साथ ही कार्ड से शॉपिंग करने पर 5500 रुपए तक का बोनस मिलेगा। महिला ने जब ऑफर का लाभ लेने की प्रक्रिया पूरी तो आरोपी ने उन्हें क्रेडिट कार्ड निकालने और मोबाइल पर एक्सिस बैंक का एप खोलने को कहा। आरोपी के कहने पर महिला ने मोबाइल में बैंकिंग एप खोला। इसके बाद कॉलर ने उनसे क्रेडिट कार्ड का 16 अंकों का नंबर और एक्सपायरी डेट दर्ज करवाई। कुछ देर बाद महिला के मोबाइल पर ओटीपी

आया, जिसे भी आरोपी ने पढ़ लिया। ओटीपी बताते ही महिला के खाते से 49 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन हो गया। महिला ने कॉलर को इसकी जानकारी दी तो उसने कहा कि यह रकम कुछ देर बाद वापस आ जाएगी। इसके लिए एक और ओटीपी आया। महिला ने दूसरा ओटीपी भी बता दिया, जिसके बाद फिर 49 हजार रुपए कट गए। अगले दिन उसी मोबाइल नंबर से महिला के पास दोबारा कॉल आया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद आरोपी ने बैंकिंग एप पर मैसेज भी किए। महिला ने परिजनों को मामले की जानकारी दी और साइबर सेल में शिकायत की। शिकायत की जांच के बाद कनाडिया पुलिस ने गुरुवार को आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस अब मोबाइल नंबर और ट्रांजेक्शन से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

नाबालिगों से चोरी कराते थे दुपट्टिया 4 गिरफ्तार और 11 वाहन जब्त

❶ ડિટેલિવિટ ગ્રુપ ઇન્ફોર્મર્ટ, (નાર)
દેડોર : તેજાજી નગર પુલિસ ને વાહન ચોરી કરને વાલે ગિરોહ કા ખુલાસા કરને હુડે દો નાબાલિંગ સમેત ચાર આરોપિયોં કો પકડા હૈ। આરોપિયોં કે કબ્જે સે અબ તક કરીબ 11 દોપહિયા વાહન બરામદ કિય ગૈ હૈ। પૂછતાછ મેં સામને આયા કિ નાબાલિંગ વાહન ચોરી કરતે થે, जबकि उनके दो साथी चोरी के वाहनों को ठिकाने लगाने का काम करते थे।

टीआई देवेंद्र मरकाम की टीम ने उमरीखेड़ा शराब दुकान के पास वारा संदिग्धों को एक मोपेड और बाइक के साथ पकड़ा था। पूछताछ में आरोपियों की पहचान प्रकाश तंवर और मुकेश उर्फ कालू मसानी के रूप में हुई। उनके साथ दो नाबालिग भी थे। जांच में दोनों वाहन चोरी के आरोपी निकले। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से अलग-अलग इलाकों से चोरी किए गए करीब नौ और



वाहन बरामद किए। पृथुताछ में पता चला कि दोनों नाबालिग नशे के आदी हैं। खर्च जुटाने के लिए वे वाहन चोरी करते थे। दोनों की पहचान प्रकाश और पुंकेश से थी। आरोपियों को जब नाबालिगों के वाहन चोरी करने की जानकारी हुई तो उन्होंने चोरी के वाहनों को बेचने में मदद करना शुरू कर दिया। आरोपी चोरी की बाइक और मोपेड को 5 से 10 हजार रुपए में

बेच देत थे। पुलिस अब बरामद वाहनों के वास्तविक मालिकों और चोरी की घटनाओं का रिकॉर्ड खोला रही है। पुलिस के मुताबिक दोनों नाबालिग भंवरकुआ और राजेंद्र नगर क्षेत्र के रहने वाले हैं और उनके खिलाफ पहले से भी अपराध दर्ज हैं। वे आजाद नगर, भंवरकुआ और राजेंद्र नगर इलाके से वाहन चोरी कर रहे थे। वाहन चोरी के इस नेटवर्क की जानकारी

हेड कास्टेबल देवेंद्र परिहार को मुखबिर से मिली थी। इसके बाद पुलिस ने संदिग्धों की निगरानी कर उन्हें पकड़ा। पुलिस के अनुसार प्रकाश तंवर और पुकेश उर्फ कालू मसानिया के खिलाफ भी लूट और अवैध वसूली सहित अन्य अपराध दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी के वाहनों की बिज्जी के टिकानों की जानकारी जुटा रही है।

संस्था 'आदित्य' का भव्य पत्रकार व प्रतिभा सम्मान समारोह 13 सितंबर को प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को दिया आमंत्रण

Q डिटेक्टिव थ्रु रिपोर्ट (नज़्)
इंदौर। संस्था 'आदित्य' द्वारा अपने 11वें वार्षिक आयोजन के तहत आगामी 13 सितंबर (रविवार) को नीमच के डाउन हॉल में भव्य 'पत्रकार व प्रतिभा सम्मान समारोह' आयोजित किया जाएगा। इस गरमामय समारोह में पत्रकारिता जगत के साथ-साथ साहित्य, कला और समाजसेवा से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां सहभागिता करेंगी।

कार्यक्रम की तैयारियों के क्रम में आयोजकों द्वारा नीमच के जिलाधीश, नगर पालिका अध्यक्ष, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी), स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों सहित वरिष्ठ पत्रकारों, साहित्यकारों, लेखकों और कवियों को औपचारिक निमन्त्रण पत्र सौंपकर आमंत्रित किया गया।

संस्था 'आदित्य' पूर्व में भी लगातार 10 सफल आयोजनों



की श्रृंखला पूरी कर चुकी है।
हाल ही में ८ अगस्त को इंदौर
के कीर्तिमती गार्डन में आयोजित
सम्मान समारोह में कैबिनेट मंत्री
केलाशा विजयवार्धन, महापौर
पुण्यमित्र भार्गव, उज्जैन प्रेस क्लब
अध्यक्ष नरेंद्र यादव तथा मखमल
मंदिर के प्रमुख पुजारी रमण त्रिवेदी
सहित कई गणपति नगरियों को
शिशुवर्त की थी। नीचचक्र में होने
वाले इस ११वें आयोजन को
सफल बनाने की अपील जितेंद्र
मौर्य, विनोद निगम, अमर गोमे,
पवन लासुरकर, मनीष शिंदे, रवि
खिंची, प्रवीण मंत्री और उमेश
पांडे सहित संस्था के अन्य सदस्यों
ने की है।

मोबाइल पर कर रहा था बेटी को परेशान

- विरोध करने पहुंचे पिता पर लोहे की राँड से जानलेवा हमला

७ इलेक्ट्रिक ग्रुप थिएटर्स (नम्र)
इंदौर। अहंता के चंदन नगर
थाना क्षेत्र सहरत आने वाले
रामबलराम नगर में एक पिता को
अपनी ही बेटी की सुखाफा करना
भारी पड़ गया। पीड़िता के पिता जब
अपनी बेटी को मोबाइल फोन पर
लगातार परेशान किए जाने की
शिकायत लेकर आरोपी के पास
पहुंचे, तो मामला सुलझने के
बजाय और अधिक गंभीर हो गया।
आरोपी राहुल ने पिता की बात
सुनने के बजाय उनके साथ
अभद्रता की और यह कहते हुए
विवाद शुरू कर दिया कि यह उनके
बाच का मामला है।

विवाद के दौरान आरोपी राहुल का गुप्ता इतना बड़ गया कि उसने गाली-गलौज करते हुए अचानक लोहे का सखिया निकाल लिया। आरोपी ने पीड़ित पति के सिर पर सखिया से जोरदार वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके साथ ही आरोपी ने उनके साथ मारपीत की और खुलेआम यह धमकी दी कि अगर उसे युवती से बात करने से रोका गया तो इसके अंजाम बहुत बुरे होंगे। घटना के तुरंत बाद पीड़ित पति आरोप परीवार के सदस्यों के

साथ चंदन नगर थाने पहुंचे और आपबीती बताई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी राहुल पुत्र पूरन सिंह के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने जैसी विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर के राक्ष क्षेत्र में भी मारपीट की एक अन्य घटना दर्ज की गई है। यहां पूर्व में दर्ज कराई गई शिकायत से आक्रोशित पड़ोसी ने एक दंपति पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार रजनी नामक महिला को शिकायत पर आरोपी सत्री पाटिल और हेमलता के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़िता रजनी ने पुलिस को बताया कि आरोपी सत्री पाटिल से उनका पहले भी विवाद हो चुका था, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस में दर्ज कराई थी। गुरुवार को जब वह अपने पति दिलीप के साथ बाहर से घूमकर घर वापस लौटीं और गाड़ी पार्क कर रही थीं, तभी सत्री वहां आ धमका। उसने घर के सामने खड़े होने का बहाना बनाकर बहस शुरू की और फिर अचानक शरूफ उठाकर दंपति पर हमला कर दिया।

अस्पताल में भाइयों को राखी बांधी



इंदौर। इस बार रक्षाबंधन जिनी झाला के लिए सिर्फ भाई बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं, बल्कि जिंदगी की नई शुरुआत का दिन बन गया। इंदौर के मीस ब्लास्टर में गंभीर रूप से झूलसने के बाद करीब दो महीने से इलाज और रिकवरी से गुजर रही जिनी की कलाई पर अहमदाबाद के अस्पताल में उनके भाइयों यशवीर सिंह, राजवर्धन सिंह और रिद्धिराज सिंह ने राखी बांधी। भाइयों ने हर मुश्किल में बहन के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। गंभीर चोटों और लंबे इलाज के बावजूद जिनी ने भाइयों के साथ मुस्कुराते हुए राक्षाबंधन मनाया। उनके चेहरे पर दर्द के साथ जिजीगी में लौटने का भरपूर भाव नजर आ रहा।

...कोई है!

विवाह से पहले हो रही है चर-बधू की जासूसी

कहीं आप पर तो नजर है जासूसी नजर

जासूसों पर है ज्यादा भरोसा

लाख का गबन करने वाला धार में बंदी

बच्चों की हरकतों पर भी जासूसों की नजर

अभिभावक करवाने लगे हैं बच्चों की जासूसी

जश्न की रात कुछ आंखें देंगी पहरा

आँख मूँदकर न तय करें रिश्ता

रिश्तों पर लगी जासूसी नजर...

Confidential Investigation & all type of Detective services



Character Verifications



Commercial



Court Soot



Fraud



Matrimonial



Political



Criminal



Shak

कब... क्यों... कहाँ... कितना... कैसे...!



DETECTIVE GROUP

व्यक्तिगत, व्यापारिक एवं सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य...

...सबूत/प्रमाण हेतु

9111050101

9111050101

7312433667

jasoosdada@gmail.com

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता

www.detectivegroup.in

डॉ. यादव पहुंचे खाचरौद में स्वामी श्री निजानंदजी महाराज के आश्रम

संतों के आशीर्वाद से मिलती है सद्कार्य की प्रेरणा : मुख्यमंत्री

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

खाचरौद, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर खाचरौद के ग्राम चिरोला फंटा में स्थित संत श्री निजानंद धाम आश्रम पहुंचे। आश्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूजा-अर्चना कर श्री श्री 1008 सचिदानंद महाराज की पुण्यतिथि पर पुष्पजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रम स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक कर षोडशोपचार पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत श्री निजानंद जी महाराज के गद्दी पर पूजा-अर्चना कर आरती की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रम में उपस्थित संतों का वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आश्रम में प्रसादी ग्रहण की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का श्री निजानंद धाम



सेवा समिति द्वारा स्वागत सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रम में सचिदानंद जी महाराज जी के शिष्य श्री विवेक महाराज जी से भी मुलाकात की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संत श्री निजानंद आश्रम पर आकर दर्शन पूजा की है। यह स्थान देश, प्रदेश और मालवा में सनातन संस्कृति की ऐसी विभूतियों के अलौकिक आभा से परिचित कराता है। हम सब भी ऐसे संतों के आशीर्वाद से सद्कार्य की प्रेरणा पाते हैं। श्री निजानंद जी महाराज के पश्चातवर्ती स्वामी सचिदानंद जी महाराज ने इस स्थान को चेतना देते हुए पूरे क्षेत्र को चेतन्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी अपने कामों के साथ अपने संतों की मूल भावना सर्वे भवन्तु सुखिनः

सर्वे सन्तु निरामयाः सभी को लेकर चलने का जो कल्याण का भाव है, ये वेद वाक्य को अमरता के साथ धारण करते हुए हम सभी के कल्याण की कामना करें। आश्रम में नागदा-खाचरौद क्षेत्र के विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, राजेश धाकड़, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, नरेश शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए खाचरौद हेलीपैड पर पहुंचे। हेलीपैड पर नागदा निवासी श्रीमती माया तितलिया एवं मनीषा अखिलेश शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आत्मीयता से बहनों का मुंह मीठा कराया और शुभकामनाएं दीं।

● 'मुझे बचा लीजिए...', सरकारी अस्पताल में प्रेग्नेंट कल्पना

मिश्रा का रोते हुए आखिरी वीडियो

डिलीवरी के दौरान जच्चा-बच्चा दोनों की मौत

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा, एजेंसी। रीवा के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में जच्चा और नवजात की मौत के बाद अस्पताल में जमकर बवाल मच गया। गुस्साए परिजन अस्पताल के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग करने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने दो नर्सिंग ऑफिसरों को निर्लंबित कर जांच के आदेश दे दिए हैं।

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल एक बार फिर विवादों में है। मंगवां निवासी कल्पना मिश्रा को 25 अगस्त की रात प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

परिजनों के मुताबिक, 26 अगस्त की रात ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद नवजात और प्रसूता दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और अस्पताल परिसर में जमकर



हंगामा शुरू हो गया। परिजन अस्पताल के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग करने लगे।

वायरल वीडियो ने खड़े किए गंभीर सवाल

परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई। उनका कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिला और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ ने अभद्र व्यवहार भी किया। इस बीच मरीज का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

वीडियो की सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसमें मरीज कथित तौर पर ऑपरेशन को लेकर अपनी परेशानी बताती दिखाई दे

रही है। वीडियो सामने आने के बाद ऑपरेशन थिएटर की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल और अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने परिजनों से चर्चा कर निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। पोस्टमार्टम जिला अस्पताल के चिकित्सकों के पैनल से कराने पर सहमति बनी। प्रथम दृष्टया कार्रवाई करते हुए ड्यूटी पर तैनात दो नर्सिंग ऑफिसरों को निर्लंबित कर दिया गया है, जबकि पूरे मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है।

घटना की सूचना मिलने पर मंगवां से भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की, अधिकारियों से चर्चा की और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। देर रात तक अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बना रहा, हालांकि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

फिलहाल जच्चा और नवजात की मौत की वास्तविक वजह का

खुलासा पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी का हमला- 'ये सरकारी हत्याएं हैं'

इस मामले में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की बीजेपी सरकार को घेर लिया है। पटवारी ने 'X' पर लिखा, रीवा के सरकारी अस्पताल से स्तब्ध करने वाला वीडियो सामने आ रहा है। पहली डिलीवरी के आई कल्पना महिला वार्ड से बाहर निकलकर रोते और चिल्लाते हुए मदद मांग रही है! कह रही है कि 'इस तरह का इलाज जारी रहा तो ये लोग मुझे मार डालेंगे!' यही नहीं, इलाज के दौरान, जच्चा-बच्चा की मौत भी हो गई!

कांग्रेस नेता ने इसे 'सरकारी हत्याएं' करार दिया। आगे कहा, 'रीवा मंत्र के स्वास्थ्य मंत्री का जिला है! फिर भी बुनियादी व्यवस्थाएं ध्वस्त हैं। क्या सरकार दोनों सरकारी हत्याओं की जांच करवाएगी? क्या दोषियों को कठोर दंड मिलेगा?'

हॉर्न बजाने पर ट्रैक्टर एजेंसी मालिक का मर्डर

उज्जैन में 8-9 बदमाशों ने सड़क पर घेरकर चाकू मारे, 2 दोस्तों पर भी किए कई वार

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। मध्य प्रदेश के उज्जैन के दमदमा में रास्ते से हटने के लिए हॉर्न बजाने पर 8-9 बदमाशों ने ट्रैक्टर एजेंसी मालिक को चाकू गोदकर मार डाला। 2 साथियों पर भी हमला किया, जिससे वे घायल हैं। पुलिस ने 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

दमदमा के मुताबिक, मृतक की पहचान ऋषि नगर एक्सटेंशन निवासी यश मित्तल (27) के रूप में हुई है। यश मूल रूप से तरावा का रहने वाला था। वह माता-पिता के साथ उज्जैन में रहता था और चिमनगंज मंडी में ट्रैक्टर का शौक्रम संचालित करता था।



परिजन के मुताबिक, यश गुरुवार रात दोस्त अभय व्यास और मंगल के साथ कार से जा रहा था। दमदमा मोड़ के पास कुछ युवक अपने वाहन लेकर रास्ते में खड़े थे। रास्ता नहीं मिलने पर यश और उसके दोस्तों ने हॉर्न बजाया। इसी बात को लेकर युवकों से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर युवकों ने तीनों पर चाकूओं से हमला कर दिया।

आरोपियों ने यश को पकड़कर उसके पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार किए। दोनों दोस्त किसी तरह वहां से निकलकर पुलिस के पास पहुंचे और घटना की जानकारी दी।

दोनों दोस्तों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हमलावर भाग चुके थे। पुलिस ने यश की तलाश शुरू की। करीब तीन घंटे बाद सुबह 5 बजे यश का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर जिला पंचायत कार्यालय के सामने मिला।

चाकू लगने से घायल अभय और मंगल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की।

प्रारंभिक जांच में आयुष शर्मा, विजय सिंह ठाकुर, विशाल ठाकुर, आकाश, करण, सागर और शेंदू समेत अन्य युवकों के नाम सामने आए हैं।

टीआई गजेंद्र पचौरिया ने बताया- हमले के बाद आरोपी यश को घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर ले गए थे, जहां उसका शव मिला। यश के पैर और सीने में चाकू मारे गए थे। उसके दोनों दोस्तों अभय और मंगल की पीठ पर भी चाकू से वार किए गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

पुलिस के मुताबिक, कुछ युवक दमदमा क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियात्र
www.detectivegroupreport.com

यदि आप साहस और निर्भीकता के साथ 'खोजी पत्रकार' के रूप में कार्य करना चाहते हैं... समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार-अपराध-अव्यवस्थाओं को उजागर करना चाहते हैं... तो आइए हमारे समाचारपत्र/पत्रिका/न्यूज वेबपोर्टल/यूट्यूब चैनल के साथ जुड़े और 'क्राइम रिपोर्टर' के रूप में कार्य करें।

कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करें। या अपना पूरा बायोडाटा हमें ई-मेल करें
www.detectivegroupreport.com
detectivegroupreport@gmail.com
(आपके सुझाव/लेख/न्यूज/ऑडियो-वीडियो/सूचना का सदैव स्वागत है)

संपादकीय

सिंधु जल संधि पर
फिर गिड़गिड़ाया
पाकिस्तान

पाकिस्तान ने शुक्रवार को भारत से सिंधु जल संधि के तहत तकनीकी बातचीत और पानी से जुड़े डेटा को शेयर करने की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है। पाकिस्तान ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते दबाव के कारण सहयोग और भी जरूरी हो गया है। खासकर तब जब नई दिल्ली ने 'एकतरफा तरीके से इस समझौते को स्थगित कर दिया था।' पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने वाशिंगटन में एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने तीन-सूत्रीय तरीका बताया जिसमें 1960 की संधि को पूरी तरह से लागू करने और परमाणु हथियार रखने वाले इन पड़ोसी देशों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए संधि में तय तरीकों का इस्तेमाल करने की बात कही। सेमिनार को वर्चुअली संबोधित करते हुए डार ने कहा 'पाकिस्तान और भारत को संधि के अनुसार तकनीकी बातचीत, पारदर्शिता और डेटा साझा करने की प्रक्रिया को फिर से शुरू और मजबूत करना चाहिए।' इशाक डार ने आगे कहा 'ये कोई अनुचित मांगें नहीं हैं। ये दो संप्रभु देशों के बीच गंभीरता से किए गए और छह दशकों से अधिक समय से चले आ रहे समझौते की जरूरतें हैं।' भारत ने अप्रैल 2025 में विश्व बैंक की मध्यस्थता वाली इस संधि को अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद स्थगित कर दिया था। इसमें पाकिस्तानी आतंकीयों ने धर्म पूछकर 26 हिंदू पर्यटकों की हत्या कर दी थी। भारत ने साफ कर रखा है कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।' इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि समझौता 'वैध, बाध्यकारी और पूरी तरह से लागू' है। उन्होंने तर्क दिया कि छह दशकों से ज्यादा समय में युद्धों, सैन्य संकटों और राजनयिक संबंधों के टूटने के बावजूद इस संधि का बने रहना यह दिखाता है कि साझा जल संसाधनों को राजनीतिक तनाव से अलग रखना कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह विवाद और भी जरूरी हो गया है क्योंकि जलवायु परिवर्तन के कारण पाकिस्तान में पानी की आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है जबकि पाकिस्तान पहले से ही दुनिया के सबसे अधिक जल-संकट वाले देशों में से एक है। इशाक डार ने इस विवाद को लेकर चिंता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की और वाशिंगटन में हुई बैठक में कहा कि संधि की व्यवस्थाओं में एकतरफा दखलअंदाजी के नतीजे दक्षिण एशिया से कहीं आगे तक जा सकते हैं। पाकिस्तान आरोप लगा रहा है कि संधि को एकतरफा तौर पर रोकने का भारत का फैसला एक मिसाल बन सकता है और इससे दुनिया भर के उन देशों को चिंता होनी चाहिए जो नदी के बहाव की दिशा में नीचे की तरफ स्थित हैं। उन्होंने कहा 'इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की दक्षिण एशिया में संधि-आधारित जल प्रबंधन को बनाए रखने में जायज दिलचस्पी है।'

विक्रम बेटाल की कहानी

शशिप्रभा किसकी पत्नी?



हर बार की तरह राजा विक्रमादित्य फिर से बेटाल को पेड़ से उतारते हैं और उसे योगी के पास ले जाने के लिए आगे बढ़ते हैं। इस बार भी बेटाल एक नई कहानी राजा को सुनाता है। बेटाल कहता है

वर्षों पहले नेपाल के शिवपुर नाम के एक नगर में यशकेतु राजा का राज हुआ करता था। वह बहुत साहसी और बलवान था। शादी के सालों बाद पत्नी चंद्रप्रभा से उसे एक बेटी शशिप्रभा हुई। समय के साथ-साथ बेटी बड़ी हुई, जिसकी सुंदरता की चर्चा हर जगह थी। एक दिन राजा अपनी पत्नी और बेटी के साथ बसंत ऋतु उत्सव देखने के लिए गए। उसी उत्सव में एक धनी ब्राह्मण का बेटा मनस्वामी भी आया था। उसने बसंत उत्सव में जैसे ही राजा की बेटी शशिप्रभा को देखा तो उसे पहली नजर में उससे प्यार हो गया।

इसी बीच एक हाथी तेजी से राजकुमारी की ओर दौड़कर आने लगा। शशिप्रभा की रक्षा में तैनात सभी सैनिक मलवाले हाथी से डरकर भाग गए। ब्राह्मण पुत्र मनस्वामी ने जैसे ही हाथी को राजकुमारी की ओर बढ़ते देखा, तो अपनी जान पर खेलकर उसे बचा लिया। यह सब देखकर राजकुमारी ब्राह्मण युवक पर मोहित हो गई। ब्राह्मण युवक की सब ने तारीफ की और दोनों बसंत उत्सव के बाद अपने-अपने घर लौट आए।

राजमहल में शशिप्रभा का बुरा हाल था। वो अपनी जान बचाने वाले ब्राह्मण की याद में खोई रहने लगी। दूसरी ओर ब्राह्मण युवक भी शशिप्रभा से दोबारा मिलने के लिए बेचैन था। राजकुमारी से मुलाकात कैसे हो, यह सोचते-सोचते वो एक सिद्ध पुरुष के पास पहुंच गया। मनस्वामी ने अपने मन का सारा हाल उसे बताया। सिद्ध पुरुष ने सिद्ध के बल पर दो गोली बनाई। एक गोली उसने ब्राह्मण युवक को मुंह में रखने को दी। मुंह में गोली रखते ही युवक एक सुंदर सी युवती बन गया। सिद्ध पुरुष ने दूसरी गोली अपने रख ली और वो एक वृद्ध ब्राह्मण के भेष में आ गया।

फिर सीधे सिद्ध पुरुष, मनस्वामी को लेकर राजमहल पहुंच गया। उसने राजा से कहा, 'देखिए यह मेरे बेटे की होने वाली धर्म पत्नी है। इसे आप कुछ दिनों के लिए राजमहल में रख लीजिए, क्योंकि मुझे तीर्थ के लिए जाना है। मुझे लगता है कि यह राजमहल से ज्यादा सुरक्षित और कहीं नहीं रहेगी।' राजा ने सोचा कि अगर वो मना करता है, तो यह सिद्ध पुरुष श्राप भी दे सकता है। राजा ने कहा, 'है ब्राह्मण! आप जाइए, आपके बेटे की होने वाली

पत्नी हमारे यहां सुरक्षित रहेगी। यह मेरी बेटी के साथ उसकी सखी की तरह रहेगी।'

इतना सुनने के बाद सिद्ध पुरुष वहां से निकल गया और मनस्वामी लड़की के भेष में शशिप्रभा के साथ रहने लगा। उसकी सखी की तरह रहकर वो राजकुमारी से खूब बातें करता। एक दिन मौका पाकर मनस्वामी ने उससे पूछा, 'आप हर समय इतनी दुखी क्यों रहती हैं? आपको आंखें हर समय किसको दुंदूती हैं? ये सुनते ही राजकुमारी ने बसंत उत्सव के दिन हुई घटना बताते हुए कहा, 'वो ब्राह्मण युवक मेरे मन को भा गया है। मुझे न उसका नाम पता है, न ही शहर। मैं हर दम यही सोचती हूँ कि उससे भेंट कैसे होगी।'

शशिप्रभा की मन की सारी बात जानकर स्त्री भेष में मौजूद मनस्वामी बड़ा खुश हुआ। उसने राजकुमारी से कहा, 'सखी मैं तुम्हें उस ब्राह्मण युवक से मिलवा सकती हूँ।' इतना सुनते ही प्रेम में बेचैन शशिप्रभा ने कहा, 'बताओ कैसे? क्या तुम उसे जानती हो।' तब मनस्वामी ने कहा, 'तुम जल्दी से आंखें बंद कर लो।' उसने जैसे ही आंखें बंद की, ब्राह्मण युवक ने जल्दी से मुंह से गोली बाहर निकाली और वापस लड़के के भेष में आ गया। मनस्वामी ने बड़े प्रेम से शशिप्रभा को पुकारा। युवक की आवाज सुनकर वो बड़ी प्रसन्न हुई और खुशी से उसे गले लगा लिया।

राजकुमारी ने उससे पूछा, 'अरे! मेरी सखी कहा गई।' यह सुनते ही मनस्वामी ने सारी बात बताई और गोली मुंह में डालकर दोबारा स्त्री बन गया। यह सब देखकर राजकुमारी दंग रह गई और मन ही मन बेहद खुश भी हुई। उसी समय दोनों ने एक दूसरे को मन से पति-पत्नी मान लिया और इसी तरह राजभवन में साथ-साथ रहने लगे।

एक दिन राजा के मंत्री के बेटे की नजर मनस्वामी पर पड़ी। ब्राह्मण युवक के स्त्री रूप को देखकर वो उसका दीवाना हो गया। कुछ दिनों बाद उसने उससे मन की बात बताई, लेकिन मनस्वामी ने मना कर दिया। उसने कहा, 'वो किसी और की है।' इतना सुनते ही मंत्री का बेटा परेशान हो गया। उसने अपने पिता को सारी बात बताई। बेटे को दुखी देखकर मंत्री से सारी बात राजा से कही। मंत्री की बातें सुनकर राजा ने मंत्री के बेटे और स्त्री रूप धारण किए मनस्वामी के विवाह का फैसला ले लिया।

राजा के यह फरमान सुनने के बाद मनस्वामी ने कहा, 'महाराज! आपको पता है, मेरा विवाह किसी और से होने वाला है। ऐसा करना अधर्म होगा। फिर

भी अगर आप मेरा विवाह करवाना चाहते हैं, तो राजा का आदेश मानकर मैं यह विवाह कर लूंगी।' राजा बहुत खुश हुआ और दोनों का विवाह करवा दिया। विवाह होते ही मनस्वामी ने मंत्री पुत्र से कहा, 'तुम्हारी ज़िद की वजह से मेरा विवाह तुम्हारे साथ हुआ है, वरना मैं किसी और से विवाह करने के लिए इस राज्य में आई थी। अब तुम्हें इस पाप को धोने के लिए तीर्थ के लिए जाना होगा।' प्यार में पागल मंत्री पुत्र ऐसा ही करता है।

एक दिन सिद्ध पुरुष दोबारा ब्राह्मण के भेष में राजमहल पहुंचता है। इस बार वो अपने साथ अपने एक दोस्त को जवान करके अपना बेटा बनाकर लाता है। ब्राह्मण राजा से पूछता है, 'मेरी बहू कहा है, मैं उसे अपने साथ लेकर जाना चाहता हूँ और अपने बेटा का उससे विवाह करवाऊंगा।' इतना सुनते ही राजा ने सारी कहानी उसे बता दी। सिद्ध पुरुष बहुत गुस्सा हुआ।

राजा ने उसके श्राप से बचने के लिए कहा, 'देखो, अब जो हो गया उसे बदला नहीं जा सकता। हां, मैं अपनी बेटी से तुम्हारे बेटे का विवाह जरूर करवा सकता हूँ।' इतना सुनते ही सिद्ध पुरुष राजा की बात पर सहमत हो गया और राजा ने सिद्ध पुरुष के दोस्त, जो उसके बेटे के रूप में महल पहुंचा था, उससे अपनी बेटी शशिप्रभा का विवाह अर्धन को साक्षी मानकर करवा दिया। इसी बीच मनस्वामी वहां अपने असली भेष यानी पुरुष रूप में पहुंचता है और शशिप्रभा को अपनी पत्नी बताता है।

इतना सुनते ही बेटाल ने कहानी सुनाना बंद कर दिया। उसने कहा, 'राजन अब तुम बताओ, शशिप्रभा किसकी पत्नी है?' विक्रमादित्य ने कोई जवाब नहीं दिया। गुस्से में बेटाल ने कहा, 'जवाब दोगे या तुम्हारी गर्दन धड़ से अलग कर दूँ।' कुछ देर सोचकर विक्रमादित्य कहते हैं, 'शशिप्रभा उस लड़के की पत्नी है, जिससे उसने अर्धन को साक्षी मानकर शादी की थी। मनस्वामी घर में भेष बदलकर रह रहा था और चोरी से शशिप्रभा से मिलता था।' यह जवाब सुनकर बेटाल ने कहा, 'तुमने बिल्कुल सही जवाब दिया है, अब तुमने सही जवाब दे दिया है तो मैं फिर से उड़ा राजन।' ऐसा कहकर एक बार फिर बेटाल दोबारा पेड़ पर जाकर उल्टा लटक जाता है।

कहानी से सीख :

छल-कपट से किया गया प्रयास असफलता का कारण बनता है।

Nepal

New Delhi

600 के करीब मौतें, 2500 लापता 320 भारतीयों की भी खबर नहीं...

नेपाल में बाढ़ की तबाही के बीच फिर
मंडराया बाढ़ का खतरा

काठमांडू, (एजेंसी) नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने तबाही का आंकड़ा 600 के करीब पहुंचा दिया है. अब तक 587 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2,500 लोग लापता हैं. इस आपदा में बड़ी संख्या में भारतीय भी फंसे हुए हैं. करीब 320 भारतीयों समेत भारतीय मूल के 100 लोगों से अभी संपर्क नहीं हो पाया है. राहत की बात है कि तिब्बत में मौजूद करीब 400 भारतीयों से संपर्क हो चुका है और वे सुरक्षित हैं. पहाड़ी इलाकों में राहत-बचाव



का काम अभी जारी है. इसी बीच भोटेकोशी नदी के पास फिर पानी बढ़ने लगा है, जिससे एक ओर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है. हालांकि, शनिवार सुबह 6:30 बजे तक

भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में पानी का बहाव सामान्य बताया गया है. इस तबाही की शुरुआत पहाड़ों के ऊंचाई वाले इलाके से हुई. शुरुआती जांच के मुताबिक, एक ग्लेशियर टूटने के बाद बर्फ, चट्टान और मलबे का भारी हिस्सा नीचे आ गया. यह मलबा लेंडे नदी में गिरा, जिससे पानी का रास्ता कुछ समय के लिए रुक गया. इसके बाद जब यह कुदरती रुकावट टूटी, तो पानी के साथ मिट्टी, पत्थर और मलबे का तेज बहाव नीचे की ओर आया. इसकी चपेट में भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के आसपास के इलाके आ गए, जिससे कई बस्तियां, सड़कें, पुल और बिजली परियोजनाएं तबाह हो गईं

सेना के अफसरों पर नजर,
पाक भेजे 8 सिम कार्ड; स्लीपर
सेल की मदद; ISI के जासूस
कपल के और क्या कांड



नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी और युवाओं की भर्ती करने के आरोप में एक दंपती को गिरफ्तार किया है. दोनों को सराय काले खां इलाके से पकड़ा गया है. पुलिस ने इनके कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं. इनमें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से संपर्क के पुख्ता सबूत मिले हैं. स्पेशल सेल के डीसीपी नरा चैतन्य ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली पुलिस आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल और सक्रिय रूप से काम कर रहे सदस्यों की तलाश में जुटी थी. पुलिस इन्हें मदद मुहैया कराने वालों के बारे में भी जानकारी जुटा रही थी. इसी दौरान स्पेशल सेल को दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय आईएसआई समर्थित पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के नेटवर्क की जानकारी मिली. जब इस सूचना के आधार पर जानकारी जुटाई गई, तो मालूम हुआ कि आईएसआई ने स्थानीय लोगों को आतंकी संगठनों को सहायता मुहैया करने के लिए भर्ती किया है. ये लोग भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजते हैं. इन नंबरों से वॉट्सएप सक्रिय कर भारत की खुफिया जानकारीयों जुड़ा जाती हैं.

डीसीपी ने बताया कि इस जानकारी के आधार पर जुलाई में सराय काले खां से 26 वर्षीय साहिल और उसकी पत्नी समीरा को गिरफ्तार किया गया. इनके कब्जे से मिले दो मोबाइल फोन से पुलिस को काफी सबूत मिले हैं.

Jharkhand

एक को बचाने गए थे, तीनों डूब गए... धनबाद के तालाब में तीन बच्चों की मौत

धनबाद, (एजेंसी) धनबाद के तोपचांची थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया. यहां तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई. मृतकों में दो बच्चियां और एक बच्चा शामिल है. जब लोगों को पता चला तो बच्चों को तालाब से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया.

मामला धनबाद के तोपचांची थाना क्षेत्र के रंगलीटांड का है. तीनों बच्चे शुक्रवार को पास के तालाब में नहाने के लिए गए थे. परिजनों के अनुसार, तीनों अक्सर इसी तालाब में नहाने जाते थे. नहाने के दौरान अचानक एक बच्ची गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी.

बच्ची को पुरस्कृत में देखकर उसके साथ मौजूद बाकी दोनों बच्चों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण वे भी गहरे पानी में चले गए. देखते ही देखते तीनों बच्चे तालाब में डूब गए. आसपास मौजूद लोगों को जब घटना की जानकारी हुई तो मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

Jammu & Kashmir

तुर्किये से नजदीकी बढ़ा आतंकियों की फौज बना रहा पाकिस्तान, नवंबर-दिसंबर में बड़ी साजिश के इनपुट

श्रीनगर, (एजेंसी) ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की जमीन पर आतंकी ठिकानों के तबाह होने के बाद बिखरे नेटवर्क को अब फिर से खड़ा किया जा रहा है. सुरक्षा एजेंसियों को मिले इनपुट के मुताबिक नवंबर से दिसंबर के बीच जम्मू-कश्मीर में बड़े आतंकी हमले की साजिश रची जा रही है. इसके लिए पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद कमजोर पड़े आतंकी संगठनों के नेटवर्क को सक्रिय करने का प्रयास तेज कर दिया है. तुर्किये से बढ़ती नजदीकी से मिले रणनीतिक सहार के बीच आतंकियों का मनोबल बढ़ाने, नए ठिकाने तैयार करने और सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को तेज करने की तैयारी इसी साजिश की कड़ियां मानी जा रही हैं. ऑपरेशन सिंदूर में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-ताइबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े जिन ठिकानों और दांचों को



नुकसान पहुंचा था, उन्हें पुराने स्वरूप में खड़ा करने के बजाय अब नए ठिकानों और छोटे नेटवर्क के जरिए गतिविधियां बहाल करने की कोशिश हो रही है. बहावलपुर में जैश के तबाह परिसर में दोबारा हलचल, लश्कर से जुड़े हैंडलरों तक फंडिंग और एलओसी के आसपास छोटे ठिकानों का उभरना इसी पुनर्गठन के संकेत हैं. सुरक्षा एजेंसियां इसे नवंबर-दिसंबर में संभावित बड़े हमले की तैयारी से जोड़कर देख रही हैं.



खेल



सहवाग और द्रविड़ के बेटों को मिला मौका, वैभव सूर्यवंशी बाहर रह गए

● अंडर-19 टीम
में क्यों नहीं
मिली जगह?

नई दिल्ली, (एजेंसी) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर-19 सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है. 15 सदस्यीय टीम में भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग को जगह मिली है. वहीं पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को मौका मिला है. वहीं 15 साल के वैभव सूर्यवंशी टीम का हिस्सा नहीं हैं. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप जीता था. इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने इंटरनेशनल डेब्यू किया तो पिछले अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में भारत के लिए शाक टोका था. वैभव सूर्यवंशी अपनी फॉर्म या फिटनेस की वजह से बाहर



नहीं हैं. वह बीसीसीआई की नियम के कारण अंडर-19 टीम में नहीं आ सकते. बीसीसीआई ने 2016 में नियम बनाया था कि कोई भी खिलाड़ी एक से ज्यादा अंडर-19 विश्व कप नहीं खेलेगा. वैभव सूर्यवंशी 2026 अंडर-19 वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं. इसी वजह से वह 2028 में होने वाले विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे. इसी वजह से चयनकर्ता ऐसे खिलाड़ियों को मौका दे रहे हैं, जो टूर्नामेंट में हिस्सा ले

सकते हैं. वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं. उन्होंने 25 मैचों में 56.48 की औसत से 1412 रन बनाए. इसमें 4 शतक और सात फिफ्टी शामिल हैं. उन्होंने अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में 175 रनों की पारी सिर्फ 80 गेंदों पर खेली थी. वहीं यूथ टेस्ट में वैभव ने 10 पारियों में 33 की औसत से 331 रन बनाए.

भारत अंडर-19 टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे और दो मल्टी डे मैचों की सीरीज खेलेगी. वनडे सीरीज के तीनों मुकाबले राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाएंगे. इसके बाद 27 से 30 सितंबर के बीच राजकोट में ही पहला मल्टी डे मैच भी होगा. वहीं 5 से 8 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड पर दूसरा मुकाबला होगा.

वनडे टीम में आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ दोनों को शामिल किया गया है. आर्यवीर टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज हैं. वह मुख्य रूप से ओपनिंग ही करते हैं. वहीं अन्वय विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. दोनों मल्टी डे मैचों की सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं. अन्वय द्रविड़ अंडर-19 टीम के साथ श्रीलंका का दौरा भी कर चुके हैं. वहीं आर्यवीर को पहली बार मौका मिला है.



सिनेमा



'14 फ्लोर से गिरी और खून नहीं निकला?', सुशांत की एक्स मैनेजर दिशा की मौत पर बॉम्बे हाई कोर्ट का सवाल



दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है. दिशा के पिता सतीश सालियन की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार और जांच अधिकारियों को कई गड़बड़ियों को लेकर जमकर फटकार लगाई. याचिका में पिता ने अपनी बेटी के साथ गैंगरेप और हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी. सुनवाई के दौरान अदालत ने मेडिकल रिपोर्ट और पुलिस की कार्यशैली पर ऐसे तीखे सवाल खड़े किए, जिसने पूरी जांच प्रक्रिया पर कई गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं. सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की बेंच ने मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर कई बुनियादी और गहरे सवाल पूछे. कोर्ट ने 14 फ्लोर की ऊंचाई से गिरने की पूरी घटना पर संदेह जताते हुए कहा कि अगर दिशा सचमुच इतनी ऊंचाई से सीधे मुंह के बल गिरी थी, तो उनके चेहरे पर एक भी फ्रैक्चर क्यों नहीं था? इतना ही नहीं, उनकी नाक या चेहरे के अन्य हिस्सों से खून क्यों नहीं निकला? अदालत ने सवाल उठाया कि क्या यह वैज्ञानिक रूप से संभव है कि इतनी तेज गिरावट के बाद शरीर को कोई बड़ा नुकसान न पहुंचे और केवल दांत ही टूटें? इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि परिवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच से जुड़ी जानकारी खुद देना पुलिस की मुख्य जिम्मेदारी थी, जिसे निभाने में वे पूरी तरह नाकाम रहे.

Highlights

1. Nepal takes U-turn on 'no foreign help for flood rescue' decision, allows team from India
2. WB CM Suwendu sings Vande Mataram outside Jadavpur University after TMC's challenge
3. Congress govt forced to bow before public anger: BJP as K'taka Minister Nagendra resigns

Subhash Chandra case: Why banks lose money in personal guarantor claims

NEW DELHI, (Agency). The insolvency court's approval of Zee Group founder and chairman emeritus Subhash Chandra's ₹6.5 crore repayment plan has raised questions about how much banks can recover from personal guarantors when company loans go bad.

Mint explains what personal guarantor insolvency means, why recovery can still be low, and the nuances in the recent Subhash Chandra case.

What is the law on personal guarantors?

A personal guarantor is someone who vouches for a borrower, guaranteeing repayment of the loan in case of a default. Under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), personal guarantors can face



separate insolvency proceedings. The IBC lays down the definition of a personal guarantor, how creditors can start the process and prepare the repayment plan, and how it is binding upon approval by the National Company Law Tribunal (NCLT). In simple terms, a guarantor can be held personally responsible, but the actual recovery depends on the assets available with the guarantor.

Amendments introduced in 2026 have strengthened disclosure requirements. Guarantors must now provide details of assets held directly or

indirectly, including beneficial interests and digital assets. The aim is to give creditors and the resolution professional a clear picture of the guarantor's assets.

Why do banks need personal guarantees from company promoters?

Banks typically seek personal guarantees from promoters as an additional layer of protection when lending to companies. It helps the bank to attach assets of the guarantor through a court.

But a guarantee does not replace the lender's primary assessment of the borrower's ability to repay, which in a company's instance is based on its assets and its ability to generate cash flows.



Detecting the truth.

www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com | 9111050101

CONFIDENTIAL INVESTIGATION

& All Type Of Detective Services





I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...



WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...